

## बढ़ती शीतकालीन वनाग्नि

### चर्चा में क्यों ?

उत्तराखण्ड में शीत ऋतु में वनाग्नि में वृद्धि देखी जा रही है, यह घटना आमतौर पर 1 नवंबर से शुरू होती है।

### मुख्य बदि:

- **भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI)**, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) की सर्वोच्च संस्था है, ने 1 नवंबर, 2023 से 1 जनवरी, 2024 तक उत्तराखण्ड को **1006 अग्निचेतावनी** भेजी है। यह संख्या वर्ष 2022 में इसी अवधि के दौरान प्राप्त 556 अग्निचेतावनियों की तुलना में काफी अधिक है।
  - उत्तरकाशी, नैनीताल, बागेश्वर, टहिरी, देहरादून, पथौरागढ़, पौड़ी और अल्मोड़ा जिलों में वनाग्नि की सूचना मिली है।
- वर्ष 2024 के पहले दिन नैनीताल में भीषण वनाग्नि की घटना देखी गई। ग्रामीणों ने इसका कारण **पछिल्ले तीन महीनों में वर्षा या बर्फबारी की अनुपस्थिति** को बताया है, जिससे क्षेत्र शुष्क हो गया।
  - इस अग्नि से **मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ सकता है**, क्योंकि पशु अग्नि से बचने के लिये शहरी परदृश्य की ओर वचरण करते हैं।
- वन कर्मचारियों द्वारा नयितरति रूप से अपशष्टि जलाना, किसानों द्वारा कृषि अवशेष जलाना, बंजर भूमि में ग्रामीणों द्वारा अपशष्टि जलाना जैसे वभिन्न कारक वनाग्नि की घटनाओं का कारण बनते हैं।